

प्रवेश हेतु अंतिम अवसर
सत्र - 2026-27
B.Ed. काउंसलिंग से प्रवेश

B.Ed

BCA

PGDCA

DCA

B.P.Ed.

B.P.E.S

B.COM

B.SC ICS/ITI

PG Diploma in yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त
(पी.एच.एडि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेनमाठा, अभनपुर
प्राचार्य - 9926162830

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने लिया स्वतंत्रता दिवस तैयारियों का जायजा



बीजापुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर कलेक्टर विश्वदीप ने शुक्रवार को इंदिरा मिनी स्टेडियम पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर विश्वदीप ने मुख्य समारोह स्थल पर मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को समारोह की गरिमा एवं व्यवस्थित आयोजन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एकटागुड़ा में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस



घाटलोहंगा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत कुदालगांव के आश्रित ग्राम एकटागुड़ा पारा स्थित आदिवासी सामुदायिक भवन में आदिवासी युवाओं द्वारा धूमधाम से आदिवासी दिवस मनाया गया। इस दौरान युवाओं ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, भगवान बिरसा मुंडा और महान स्वतंत्रता सेनानी गुंडाधुर के छायाचित्र पर पुष्प माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वालित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस आयोजन के बाद उपस्थित लोगों को प्रसाद, मिठाई एवं नाश्ते का वितरण किया गया।कार्यक्रम में अनिल भट्टे, प्रकाश करयप, युवराज करयप, प्रकाश करयप (द्वितीय), गोलू करयप, चुलचैन, चिंटू, उमेश, प्रमोद, निखिल, प्रेम, दीनबंधु, आयतु, गमला सहित बड़ी संख्या में पारा वासी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उसरी में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

जगदलपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से परिवर्तन समाज विकास समिति, बस्तर द्वारा ग्राम पंचायत उसरी में एक व्यापक विश्व स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों सहित कुल 89 ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान के महत्व, सही स्तनपान की विधि तथा गर्भावस्था से लेकर प्रसव के बाद तक आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान वीडियो प्रस्तुति एवं मौखिक संवाद के माध्यम से विशेषज्ञों ने बताया कि नवजात शिशु को सही तरीके से स्तनपान कैसे कराया जाए।

डीडीआरएफ ने चिंतावागु नदी में किया रेस्क्यू बीमार महिला को सुरक्षित निकाला

हरिभूमि न्यूज ►► बीजापुर

जिले में बारिश के चलते नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में जिला प्रशासन एवं नगर सेना की रेस्क्यू टीमों संवेदनशील क्षेत्रों में सतत सक्रिय रहकर जरूरतमंद लोगों तक राहत एवं सहायता पहुंचा रही है। 8 अगस्त को बीजापुर तहसीलदार के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गुड्डीपाल की एक बीमार महिला चिंन्ताकवली स्थित चिंतावागु नदी के दूसरी ओर फंसी हुई हैं और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाना आवश्यक है। सूचना मिलते ही डी.डी.आर.एफ. नगर सेना की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। रेस्क्यू टीम ने चिंतावागु नदी के बड़े हुए जलस्तर एवं तेज बहाव के बीच सूझबूझ और



सावधानी के साथ ग्राम गुड्डीपाल निवासी विमला अंगनपल्ली, पति गणपत अंगनपल्ली तथा उनके परिजनों को सुरक्षित नदी पार कराया। इसके बाद बीमार महिला को उचित उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। जिला प्रशासन की तत्परता और डी.डी.आर.एफ. नगर सेना की टीम की सक्रियता से समय पर रेस्क्यू अभियान पूरा हुआ और बीमार महिला को उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकी। प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि बारिश के दौरान नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने पर तेज बहाव वाले स्थानों को पार करने का प्रयास न करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन एवं संबंधित रेस्क्यू टीम को सूचना दें। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों के लिए संबंधित दलों को सतर्क रखा गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

21 वर्षों बाद दोबारा खुला मेटापारा कोरसागुड़ा स्कूल, 25 बच्चों ने लिया प्रवेश

अब तक 38 बंद पड़े स्कूलों का हुआ पुनः संचालन



शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रहे बच्चे

जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडे ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से वर्तमान शिक्षा सत्र में जिले में अब तक 38 बंद स्कूलों का पुनः संचालन किया चुका है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों एवं शिक्षादूतों के माध्यम से अध्यापन कार्य प्रारंभ किया गया है, जिससे वर्षों से शिक्षा से वंचित बच्चों को फिर से विद्यालयों से जोड़ने का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर सरपंच, बीईओ एम.वी. राव, रामकृष्ण पी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बच्चों को स्लेट, पुस्तकें एवं पेंसिल वितरित की गईं, जिससे उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत हुई। लंबे अंतराल के बाद गांव में फिर से विद्यालय खुलने से ग्रामीणों एवं अभिभावकों में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माडवी ने बच्चों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और स्कूलों के पुनः संचालन से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को अपने गांव में ही शिक्षा का अवसर मिल रहा है।

प्रशासन ने ली किराना, डेयरी और होटल संचालकों की बैठक, पनीर विक्रेताओं की जांच भी की

अमानक डेयरी एनालॉग और नकली दुग्ध उत्पादों पर लगा प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ►► बीजापुर

जनस्वास्थ्य एवं उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मानकों के पालन को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा कार्रवाई तेज कर दी गई है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की अधिसूचना दिनांक 31 जुलाई के तहत राज्य में अमानकीकृत डेयरी एनालॉग एवं अन्य गैर-दुग्ध किंतु दुग्ध उत्पाद सदृश खाद्य पदार्थों के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का जिले में पालन सुनिश्चित कराने के लिए 7 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा पनीर का वितरण एवं विक्रय करने वाले किराना दुकानदारों, डेयरी, होटल, रेस्टोरेंट, कैफे एवं ढाबा



खाद्य विभाग की चेतावनी, अमानक उत्पाद बेचे तो कार्रवाई

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा एवं मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ न करने की अपील की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित एवं अमानकीकृत खाद्य उत्पादों के विक्रय की शिकायत मिलने पर नियमानुसार जांच एवं कार्रवाई की जाएगी।

संचालकों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अभिहित अधिकारी डीके देवांगन एवं वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित गुप्ता ने

खाद्य कारोबारियों को प्रतिबंधित एनालॉग पनीर के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी संबंधित कारोबारियों को एनालॉग पनीर के क्रय-विक्रय

को पूर्णतः बंद करने के निर्देश दिए। इस दौरान खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक करने वाले पोस्टर एवं पाम्पलेट भी वितरित किए

नमूना रायपुर भेजा गया

बैठक के पश्चात वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा शहर के विभिन्न पनीर विक्रेताओं, डेयरी एवं रेस्टोरेंट की जांच की गई। जांच के दौरान खाद्य कारोबारियों द्वारा पनीर का विक्रय किया जाना पाया गया, लेकिन एनालॉग पनीर नहीं पाया गया। जांच के दौरान नौवल डेयरी से पनीर का नमूना लेकर गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

ईमानदारी की मिसाल बने कृष्णा 25 हजार नगद और दस्तावेज लौटाए

जगदलपुर। आज के समय में जब अक्सर यह धारणा सुनने को मिलती है कि ईमानदारी अब दुर्लभ हो गई है। ऐसे में जगदलपुर के कृष्णा ने अपने आचरण से इस सोच को गलत साबित करते हुए मानवता और नैतिकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो लंबे समय तक प्रेरणा देता रहेगा। प्रज्ञा मंडवी जो एक योग प्रशिक्षक हैं और शहर से आकर अविनाश अतुल्य

सोसायटी, गौदम रोड जगदलपुर में योग प्रशिक्षण प्रदान करती हैं, हाल ही में सोसायटी परिसर के क्लब हाउस में 25000 रूप्य नकद एवं कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भूल गईं। सोसायटी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत रेलवे सरगोपाल जूनापारा निवासी 30 वर्षीय कृष्णा यादव को जब यह राशि एवं दस्तावेज प्राप्त हुए, तो उनके समक्ष एक अवसर था, उन्होंने उस अवसर को लालच नहीं,

बल्कि जिम्मेदारी समझा। उन्होंने पूर्ण ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए 25000 रूप्य की संपूर्ण राशि एवं सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रूप से प्रज्ञा को लौटा दिए। कृष्णा चाहते तो शायद कोई उन्हें देख भी नहीं रहा था, पर उन्होंने यह सिद्ध किया कि ईमानदारी बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि आंतरिक संस्कारों से उत्पन्न होती है।

सिद्धीविनायक नवजात शिशु एवं बालरोग हॉस्पिटल

अम्बेडकर चौक के पास, रूढ़ी रोड, धमतरी (छत्तीसगढ़)

14 बिस्तरों का सर्वविधयुक्त नवजात शिशुओं का A/C प्राइवेट रूम की व्यवस्था एवं Ventilator की सुविधा

State of the art NICU including care for Preterm, Term

Multi Para Monitors / Bubble CPAP

Low Birth Weight, Septic & Very Serious Newborn

Warmer Led Photo Therapy बिलिथे के ईलाज के लिए

प्रतिदिन संसर्ग टीकाकरण का उपलब्धता

Centralized Oxygen एवं Suctioning की व्यवस्था

24 घंटे फेब्रिलीटी, कॉमर्सी, X-Ray की सुविधा उपलब्ध

समय : सुबह 10.30 से शाम 9 बजे (रविवार शाम बंद)

मो. 9981321524 / 7223011528

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL

पंचायत समिति, पंचायत, पंचायत, पंचायत

छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरों का हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित

प्रदेश के सम्पूर्ण शास्त्रीय चिकित्सा (कर्मवीर) एवं उनके परिवार के आर्थिक सदस्यों के उपचार उपयुक्त प्रमाणित (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छत्र, भारत से मान्यता प्राप्त

लेवटर 7 B कमल विहार, तखपुर (छ.ग.) सिटी सेंटर-कुष्णा टॉकीज के सम्मने, 55224-66664, 62622-22903 तमटा कॉलेजी रायपुर (छ.ग.) 9826446666 के पास, चिन्ता (छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेटरनटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल

गर्भवती सुविधाएं

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- जर्मल एवं जीनेटिकल डिस्कोरी
- एवं बच्चे की का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वसुविधासुवत्त PICU, NICU, OT

बाच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हार्निया, लार्डोस्तेल, सरकना सीजन की सुविधा आयुजान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार, TPA की सुविधा

अब मोतिया-बिन्द की सर्जरी से डरना छोड़िए!

अनुभवही फेको सर्जन बिना इंजेक्शन बिना टांके बिना पट्टी

फिर से साफ दिखेगा परिवार का हर मुस्कुराता चेहरा

MICS तकनीक से सुरक्षित एवं आरामदायक सर्जरी तेज रिकवरी, तुरंत घर वापसी कम समय में सर्जरी प्रीमियम MULTIFOCAL / EDOF लेंस उपलब्ध बिना इंजेक्शन के आई ड्रॉप से सर्जरी

निर्दंकारी सर्लर्ज भवन के पास, हिंद ट्पोस्ट फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 / 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिन्चर मार्केट रोड, रायपुर 9827144197, 9827144777

DR. ABHISHEK GAWRI MBBS, MS (Surgery), DNB (Urology) Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303008130

मूत्र रोग एवं सर्जरी किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज यौन संबंधी समस्याएं महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

रजक समाज के रमेश बने अध्यक्ष



दुधावा। सामाजिक भवन भोरावाही में रजक समाज कांकेर जिला इकाई का पुनर्गठन किया गया। संभागीय पदाधिकारियों एवं समाजजनों की मौजूदगी में रमेश कुमार रजक दुधावा को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही नोहर निर्मलकर को उपाध्यक्ष, हेमलाल रजक को सचिव, नारायण रजक को कोषाध्यक्ष तथा मुकेश कुमार रजक को समाजदूत मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक शंकर रजक, अध्यक्ष दिनेश रजक, महासचिव रविशंकर नागे सहित समाजजन उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति के दिन ही शिक्षकों को मिली पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ



पर्खाजूर। विकासखंड कोयलीबेड़ा के शिक्षा विभाग ने कर्मचारी हित में अनुकरणीय पहल करते हुए 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के दिन ही उनके पेंशन एवं अन्य देयकों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज सौंपे। विभाग की इस पहल की शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सराहना करते हुए इसे संवेदनशील और कर्मचारी हितैषी कार्यशैली का उदाहरण बताया। खंड शिक्षा अधिकारी देवकुमार शील एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों की समूह बीमा, अवकाश नगदीकरण, पेंशन पीपीओ एवं उपदान ग्रेय्यूटी से संबंधित दस्तावेज प्रदान किए गए। इस दौरान शिक्षकों को उनके दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल के लिए सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला घोड़ागांव के प्रधानाध्यापक पुनऊ राम समरथ, शासकीय प्राथमिक शाला पीव्ही 57 के प्रधानाध्यापक सुधामय बैरागी तथा शासकीय प्राथमिक शाला पीव्ही 31 के प्रधानाध्यापक कृष्ण गोपाल घरामी को सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज सौंपे गए। वहीं विभाग ने दिवंगत शिक्षकों के आश्रित परिवारों के लंबित पेंशन प्रकरण भी जारी किए। इसमें स्व जोवाकिम बरवा की पत्नी पुष्पा बरवा, स्व फगू राम पिस्टा की पत्नी भगवती पिस्टा, स्व निर्मल चन्द्र विश्वास की पत्नी मनिका विश्वास, स्व सुरज राम उसेंडी की पत्नी शीला बाई उसेंडी तथा स्वर्गीय नरसिंह नरेटी की पत्नी निशा नरेटी शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णपाल राणा ने किया। बीआरसी बिप्लव बनर्जी ने स्वागत उद्बोधन दिया। आयोजन में मुणालकांती बैरागी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग रहा।

निधन

जंगलूराम नेताम

दुधावा। विकासखंड नरहरपुर के ग्राम पंचायत दुधावा के ग्राम पटेल जंगलूराम नेताम का रविवार 9 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से ग्राम दुधावा सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्रामीणों एवं परिचितों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने शोकानुल परिचार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मैं शोक की लहर है। ग्रामीणों एवं परिचितों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने शोकानुल परिचार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी ज्यो.बं., 9993010732
लकड़ा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबाद, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, रस रोग का इलाज
खरों रोग - दूध, खजनी, देमवी, मूत्र में प्रलव होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मसला होना, खून निकलना, खजनी होना का इलाज
पुरुष रोग - घातुसाव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
रखी रोग - लाल, लहरे घनी अना, चर्बित रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतोरोग का इलाज

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्गुकोंदल

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को दुर्गुकोंदल ब्लॉक मुख्यालय में आदिवासी समाज की ओर से रैली निकाली गई। रैली में महिला-पुरुष, युवा-युवतियां, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों और लोक वाद्य यंत्रों से सजी रैली ने नगर में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता की जीवंत छटा बिखेरी।

रैली का शुभारंभ दुर्गुकोंदल मुख्य चौक से हुआ। समाज के लोग पारंपरिक परिधान में सामाजिक एकता और संस्कृति

संरक्षण का संदेश देते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गोंडवाना भवन पहुंचे। इस दौरान पारंपरिक गीत-संगीत और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण उत्साह और उमंग से भर गया। जगह-जगह लोगों ने रैली का स्वागत किया। महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी रही। गोंडवाना भवन पहुंचने के बाद समाजजनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की। समाज की सुख-समृद्धि, शांति और एकता की कामना के साथ बोली-भाषा, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।



विश्व आदिवासी दिवस के अंतागढ़ कार्यक्रम में आदिवासियों का उमड़ा जनसैलाब

जल-जंगल-जमीन, संस्कृति व संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का लिया गया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ►► अंतागढ़

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को अंतागढ़ के नयापारा स्थित उन्मुक्त खेल मैदान में आदिवासी एकजुटता, संस्कृति और अधिकारों का विशाल प्रदर्शन देखने को मिला। जिले के विभिन्न हिस्सों के साथ छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे हजारों आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा, लोक संस्कृति और उत्साह के साथ अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान जल, जंगल और जमीन के अधिकारों से लेकर संवैधानिक संरक्षण तक 15 सूत्रीय मांगों को लेकर समाज ने अपनी आवाज बुलंद की और प्रशासन को संयुक्त ज्ञापन सौंपा।

जिलास्तरीय कार्यक्रम में अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी, कांकेर विधायक आशाराम नेताम, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष कन्हैया उसेंडी, पूर्व विधायक



सुमित्रा मारकोले, जनपद पंचायत चारामा के उपाध्यक्ष ठाकुरराम कश्यप और वरिष्ठ आदिवासी नेता विजय ठाकुर सहित समाज के प्रमुख पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे। उक्त जनप्रतिनिधियों ने आदिवासी समाज की एकता, अधिकारों और संस्कृति के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज के पूर्व संविदा प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा कि आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक वीरों ने अपना जीवन न्योछावर

किया है। अब वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह उनके संघर्ष और बलिदान को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन पर आदिवासी समाज की पीढ़ियों से निर्भरता रही है, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकारों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। संविधान में दिए गए प्रावधान तभी सार्थक होंगे, जब उनका ईमानदारी से जमीनी स्तर पर पालन हो। उन्होंने कहा कि पूंजीपति और बड़े कारोबारी हितों के कारण प्राकृतिक संसाधनों और आदिवासी अधिकारों पर दबाव बढ़ रहा है।

तिरंगा यात्रा और रविदास जयंती की तैयारियों को दिया अंतिम रूप



शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में बुथ स्तर के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कार्यक्रमों से आगामी कार्यक्रमों में अनुशासन, समर्पण और सक्रिय सहभागिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष टेकेश्वर सिन्हा ने आगामी

कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बूथ सशक्तिकरण को संगठन की प्राथमिकता बताया। उन्होंने बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र प्रभारियों एवं समिति सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का आग्रह किया। मंडल प्रभारी डॉ. देवेंद्र साहू ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और निरंतर संवाद के साथ संगठन की कार्यपद्धति के अनुरूप कार्य करने

भालू के हमले से ग्रामीणों की मौत, विधायक सावित्री ने दी श्रद्धांजलि



परिवार के साथ खड़ी हैं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों और ग्रामीणों के बीच बढ़ते संघर्ष को रोकने के लिए शासन-प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है।

विधायक ने ग्रामीणों से वन क्षेत्र के आसपास सतर्कता बरतने तथा अनावश्यक रूप से अकेले नहीं जाने की अपील की। उन्होंने शासन-प्रशासन से मिलने वाली सहायता के संबंध में भी परिजनों से जानकारी ली और आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सरपंच पदुम सिंह ठाकुर, सरपंच भुनेश्वरी जूरा, प्रदेश सचिव आदिवासी कांग्रेस सरजू राम शोरी, अमन मंडावी सहित जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कांकेर। शासकीय के.डी. अस्पताल कांकेर में भर्ती एक 49 वर्षीय व्यक्ति की अज्ञात कारणों से मौत होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 49 वर्षीय झाड़ुराम सलाम पिता सुकमन सलाम निवासी शाहकाड़ा (केवटी) के रूप में हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान अज्ञात कारणों से उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि न्यूज ►► कांकेर

वैश्वीकरण की तेज रफ्तार में जब दुनिया की संस्कृतियां एक-दूसरे के करीब आ रही हैं, वहीं आदिवासी समाज की सदियों पुरानी कला, परंपरा और प्रकृति से जुड़ी जीवन-पद्धति को सहेजना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसी चुनौती और संभावनाओं पर विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गंभीर विमर्श हुआ। इस अवसर पर विश्व आदिवासी दिवस विशेषांक का विमोचन भी किया गया। सोसाइटी फॉर एम्पावरमेंट द्वारा वैश्वीकरण के दौर में आदिवासी कला, विरासत एवं संस्कृति विषय पर आयोजित ऑनलाइन गोलमेज सम्मेलन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों और विद्वानों ने आदिवासी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक उसके हस्तांतरण की आवश्यकता पर विचार साझा किए। मुख्य वक्ता कांकेर निवासी व कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पद्मश्री से सम्मानित अजय

सहेजना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसी चुनौती और संभावनाओं पर विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गंभीर विमर्श हुआ। इस अवसर पर विश्व आदिवासी दिवस विशेषांक का विमोचन भी किया गया। सोसाइटी फॉर एम्पावरमेंट द्वारा वैश्वीकरण के दौर में आदिवासी कला, विरासत एवं संस्कृति विषय पर आयोजित ऑनलाइन गोलमेज सम्मेलन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों और विद्वानों ने आदिवासी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक उसके हस्तांतरण की आवश्यकता पर विचार साझा किए। मुख्य वक्ता कांकेर निवासी व कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पद्मश्री से सम्मानित अजय

भाषा-बोली व संस्कृति है पहचान

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, बोली-भाषा और जल-जंगल-जमीन से जुड़ी है। आधुनिकता के दौर में सांस्कृतिक विरासत को बचाना सभी की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को समाज के इतिहास, महापुरुषों, लोककला और परंपराओं से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। शिक्षा, रोजगार, सामाजिक विकास और अधिकारों के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर भी जोर दिया गया। रैली में महिला प्रकोष्ठ, कर्मचारी प्रकोष्ठ तथा युवा-युवती साधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक सेवाराम विराम, दुग्गा, सचिव श्यामसिंह नरेटी, सह सचिव महत्तम दुग्गा, गोंडवाना समाज अध्यक्ष झाड़ुराम उइके, उपाध्यक्ष रमेश दुग्गा, कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष बाबूलाल कोमरा, युवा अध्यक्ष हरेश रावटे सहित समाजजन शामिल हुए।

धनेसरा में खेल और संस्कृति का संगम मैराथन में धावकों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ►► सरोना

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गोंडवाना समाज समन्वयक समिति धनेसरा, तहसील सरोना के तत्वावधान में सिंगारवाही कुंवर बाबा चौक के पास राज्य स्तरीय मैराथन दौड़ का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सीनियर महिला-पुरुष तथा जूनियर बालक-बालिका वर्ग के धावकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों की मौजूदगी से आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल रहा।

महिला वर्ग में रुक्मिणी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिन्हें 4 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पुरुष वर्ग में आशुतोष कुमार बिन्द ने प्रथम स्थान हासिल कर 4 हजार रुपए का पुरस्कार जीता। दोनों विजेता भिलाई जिले के निवासी बताए गए हैं। आयोजन समिति ने विजेताओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा अन्य प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया। मैराथन के पश्चात आदिवासी युवाओं ने बड़ी संख्या में बाइक रैली निकाली। रैली के माध्यम से युवाओं ने सामाजिक एकता, जागरूकता और आदिवासी संस्कृति के प्रति सम्मान का संदेश



दिया। युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन में नया उत्साह भर दिया। बाइक रैली के बाद गोंडवाना परिक्षेत्र धनेसरा के ग्राम नयापारा गवारसीली में विश्व आदिवासी दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिकारियों, कर्मचारियों, समाज प्रमुखों, ग्रामीणों और युवाओं ने सहभागिता की। वक्ताओं ने आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। मैराथन, बाइक रैली और मुख्य समारोह के माध्यम से खेल प्रतिभा, युवा शक्ति और आदिवासी संस्कृति गौरव का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में, जिला पंचायत कांकेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, हेमलाल मरकाम, गोंडवाना समाज ब्लॉक अध्यक्ष संगे सिंह वट्टी, परिक्षेत्र अध्यक्ष मुनेश्वर नेताम, जनपद सदस्य भाऊ राम भास्कर सहित जनप्रतिनिधि एवं समाज पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण व पारंपरिक ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर



मंडावी ने आदिवासी समाज की समृद्ध कला, लोकपरंपराओं, जीवन-पद्धति और सांस्कृतिक विरासत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति प्रकृति, परंपरा और सामुदायिक जीवन के बीच गहरे संबंधों की जीवंत अभिव्यक्ति है। सदियों से आदिवासी समाज ने प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की जिस जीवनशैली को अपनाया है, वह आज के बदलते दौर में भी पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण संदेश देती है। विशेष वक्ता मानवशास्त्री एवं उप सचिव, लोक भवन, छत्तीसगढ़ डॉ. रूपेंद्र कवि ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक ज्ञान और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए नई पीढ़ी को इससे जोड़ना बेहद जरूरी है।

आदिवासी कला और संस्कृति को केवल अतीत की धरोहर मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसे वर्तमान सामाजिक जीवन और भविष्य की सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देखने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मानवशास्त्री प्रो. सचिन नारायण ने आदिवासी समुदायों की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, परंपरागत ज्ञान और कला-विरासत को संरक्षित करने के साथ ही नई पीढ़ी तक उसके हस्तांतरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी भाषा, परंपराओं, कला और सामुदायिक स्मृतियों से जुड़ी होती है। ऐसे में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए नई पीढ़ी को इससे जोड़ना बेहद जरूरी है।

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा,सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 18,500/-
15 दिन

चार धाम यात्रा
श्री केदारनाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रिपुरीनारायण
अन्य दर्शन -काशी विधावन, पंच प्रयाग दर्शन- (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), माना गॉव (भारत का अंतिम गॉव), घारी देवी, चोपता
15 सितम्बर, 26 सितम्बर, 10 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, 2026, 02 मई 2027
राशि:- स्लीपर **₹18,500/-**, 3 एसी- **26,500/-**, 2 एसी- **30,500/-** (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 351, 302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:- 7354-411411



गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने छात्राओं को संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

संभाविता स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उचित उपचार को शिविर का प्रमुख उद्देश्य बताया गया। विद्यालय में भारत स्काउट एवं गाइड के तहत स्कार्फ दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। छात्राओं एवं शिक्षकों ने स्कार्फ धारण कर अनुशासन, सेवा, राष्ट्रप्रेम और मानवता के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर छात्राओं को स्काउट-

गाइड गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में शिक्षकों, स्वास्थ्य टीम और छात्राओं ने पौधरोपण किया। छात्राओं ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इन आयोजनों के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए छात्राओं के सर्वांगीण विकास का प्रेरणादायक संदेश दिया गया। समापन पर छात्राओं ने स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता, समाजसेवा और हरित वातावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।